›

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र – 442 001
फोन / फैक्स नं. : 07152&247146 वेब साईट : www.hindivishwa.org

दूर शिक्षा निदेशालय

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, द्वितीय वर्ष
सत्र : 2015-2017,
पाठ्यक्रम कोड : एम एच डी

सत्रीय कार्य एवं परियोजना कार्य

निर्देश-पुस्तिका

क्रमांक	सत्रीय कार्य / परियोजना कार्य कोड	किसे भेजें	सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र के पते पर सत्रीय कार्य / परियोजना कार्य पहुँचने की निर्धारित अंतिम तिथि
01. 02. 03. 04. 05.	एम एच डी – 06 : सत्रीय कार्य एम एच डी – 07 : सत्रीय कार्य एम एच डी – 08 : सत्रीय कार्य एम एच डी – 09 : सत्रीय कार्य एम एच डी – 10 : परियोजना कार्य	सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र के पते पर	दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा घोषित सूचनानुसार

- **अध्ययन केन्द्र पर पंजीकृत विद्यार्थी अपने-अपने सत्रीय कार्य / परियोजना कार्य अध्ययन केन्द्र पर ही जमा कराएँ। ऐसे विद्यार्थियों के सत्रीय कार्य / परियोजना कार्य का मूल्यांकन सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र पर ही किया जाएगा।**

पुरन्दरदास
पाठ्यक्रम संयोजक

दिनांक : 20 फरवरी, 2017

दूर शिक्षा निदेशालय
एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2015-2017, द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य एवं परियोजना कार्य
दिशा-निर्देश

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2015-17, द्वितीय वर्ष की प्रथम चार पाठ्यचर्याओं में विद्यार्थी को प्रत्येक पाठ्यचर्या में 01 – 01 अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) तथा पंचम पाठ्यचर्या (परियोजना कार्य : रचनाकार का विशेष अध्ययन) से सम्बन्धित 01 परियोजना कार्य सम्पूर्ण कर जमा कराना अनिवार्य है।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में विद्यार्थी को कुल 06 प्रश्नों के विश्लेषणात्मक उत्तर लिखने हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 05 हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में लिखना है।

पंचम पाठ्यचर्या (परियोजना कार्य : रचनाकार का विशेष अध्ययन) से सम्बन्धित परियोजना कार्य में विद्यार्थी को निर्धारित रचनाकारों में से किन्हीं 02 रचनाकारों के समग्र कृतित्त्व का सघन अध्ययन कर उसका सम्यक मूल्यांकन करते हुए प्रत्येक रचनाकार न्यूनतम 8,000 शब्दों में सम्बन्धित हस्तलिखित रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है जिसके अधिकतम अंक 100 हैं। विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वह हिन्दी के उन कालजयी रचनाकारों का विशेष अध्ययन करे जिन्होंने चिन्तन और सर्जन के क्षेत्र में अपना विशिष्ट योगदान किया है और जिनका लेखन आज भी प्रासंगिक है।

पूर्ण किये गए सत्रीय कार्यों तथा परियोजना कार्य को मूल्यांकन हेतु निर्धारित अंतिम तिथि से पूर्व सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र पर जमा कराएँ तथा प्रस्तुत सत्रीय कार्यों तथा परियोजना कार्य की एक-एक छायाप्रति अपने पास अनिवार्यतः सुरक्षित रखें।

सत्रीय कार्य का उद्देश्य :-

सत्रीय कार्य का उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थी को उपलब्ध कराई गई पाठ्य-सामग्री को विद्यार्थी की हस्तलिपि में पुनः प्राप्त करना नहीं है अपितु विद्यार्थी की अध्ययन-प्रवृत्ति में निरन्तरता बनाए रखने के साथ ही उसके द्वारा अब तक किए गए अध्ययन का मूल्यांकन करना है। विद्यार्थी ने पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों तथा सम्बन्धित पाठ्य-सामग्री को कितना पढ़ा-समझा है, उसका विवेचन-विश्लेषण करने की कितनी क्षमता अर्जित की है तथा सम्बन्धित पाठ्य के विषय में उसका अपना दृष्टिकोण कितना विकसित हुआ है ? आदि उद्देश्यों को दृष्टि में रखने के साथ-साथ विद्यार्थी की लेखन-क्षमता का मूल्यांकन करना भी सत्रीय कार्य का लक्ष्य है। विद्यार्थियों को सत्रीय कार्यों में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखते समय उपर्युक्त उद्देश्यों को स्मरण रखना चाहिए तथा प्राप्त पाठ्य-सामग्री का पुनर्प्रस्तुतीकरण न करते हुए अध्ययनोपरान्त अपनी विकसित विचार-क्षमता के आधार पर ही उत्तर लिखने का प्रयास करना चाहिए। पूछे गए प्रश्न के उत्तर में विद्यार्थी का अध्ययन, उसकी आलोचनात्मक दृष्टि, पाठ्य के विषय में उसकी अपनी समझ आदि के साथ ही भाषा एवं वर्तनी सम्बन्धी ज्ञान की अपेक्षा की जाती है। उपर्युक्त अपेक्षाओं को दृष्टि में रखकर ही विद्यार्थी द्वारा प्रेषित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य लेखन :-

विद्यार्थी सत्रीय कार्य लिखने से पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें :-

01. योजना :- प्रथमतः सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों को पढ़कर उनका आशय समझ लीजिए। तदनन्तर सम्बन्धित पाठ्य-सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़िए। पूछे गए प्रश्नों से सम्बन्धित इकाइयों को मनोयोग से पढ़िए। निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों का गहन अध्ययन कीजिए। साथ ही, सुझाई गई सहायक पुस्तकों को भी रुचिपूर्वक पढ़िए। पढ़ते समय प्रत्येक उत्तर से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण तथ्य चिह्नित कर लीजिए और अंतिम प्रति तैयार करने से पूर्व उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लीजिए।

02. संगठन कौशल :- अपने उत्तर को अंतिम रूप देने से पूर्व एक कच्ची रूपरेखा बना लीजिए, श्रेष्ठतम तथ्य संकलित करने का प्रयास कीजिए और उसके समुचित विवेचन-विश्लेषण हेतु चिन्तन कीजिए। उत्तर लिखते समय प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दीजिए। कृपया ध्यान रखिए कि पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तर्कसंगत हों, वाक्य-विन्यास और वर्तनी संबंधी त्रुटियाँ न हों अनुच्छेदों में परस्पर तारतम्यता हो तथा भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त संयोजन किया गया हो।

03. सत्रीय कार्य लेखन :- सत्रीय कार्य विद्यार्थी द्वारा स्वयं की हस्तलिपि में संपन्न किया जाना है। पूछे गए प्रश्नों की अंतिम प्रति स्वच्छ, स्पष्ट, पठनीय अक्षरों में लिखित, वर्तनी संबंधी दोषों से रहित, प्रारूपबद्ध और बिना काट-छाँट किए तथा भली प्रकार नत्थी/स्पाइरल बाइंडिंग की गई हो। आवश्यकता प्रतीत होने पर मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित किया जा सकता है। उत्तर-पुस्तिका में केवल नीले अथवा काले रंग की स्याही वाले पेन अथवा बालपेन का ही प्रयोग कीजिए। उत्तर-पुस्तिका में प्रश्नों के उत्तर पूछे गए प्रश्नों के क्रमानुसार ही लिखिए। किसी भी प्रश्न का उत्तर लिखना प्रारम्भ करने से पूर्व सम्बन्धित प्रश्न क्रमांक अवश्य लिखिए। प्रत्येक नए उत्तर का प्रारम्भ नए पृष्ठ से कीजिए। उत्तर-पुस्तिका हेतु A–4 साइज़ के कागज़ों का प्रयोग करें। कार्य सम्पन्नोपरान्त सभी कागज़ों को भली प्रकार नत्थी कर लीजिए। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि अपनी उत्तर-पुस्तिका की सुरक्षित प्रस्तुति हेतु वे समस्त कागज़ों को स्पाइरल बाइंडिंग करा लें। विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार गुणवत्तापूर्ण कागज़ के बड़े आकार के जिल्दबंद रजिस्टर में भी सत्रीय कार्य प्रस्तुत कर सकते हैं। सत्रीय कार्य के अंतिम पृष्ठ पर कुल पृष्ठ संख्या लिखकर अपने हस्ताक्षर कीजिए। सत्रीय कार्य की विद्यार्थी द्वारा स्वयं की हस्तलिपि में लिखित प्रति ही स्वीकार की जाएगी। आवश्यकता प्रतीत होने पर विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत सत्रीय कार्य में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) तथा सत्रांत परीक्षा में विद्यार्थी द्वारा उत्तर-पुस्तिका में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) का मिलान करवाया जाएगा। दोनों की हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) में भिन्नता पाए जाने पर ऐसे सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। सत्रीय कार्य की कंप्यूटर टंकित प्रति अस्वीकार्य है। कंप्यूटर टंकित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण:

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :--

01. सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ के प्रारूप हेतु परिशिष्ट क्रमांक - 01 देखिए।

02. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के शीर्षभाग पर सर्वोपरि दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा का नाम एवं पूर्ण पता लिखिए।

03. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर विश्वविद्यालय के नाम और पते के नीचे पाठ्यक्रम का नाम : एम.ए . हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2015-17, वर्ष : द्वितीय वर्ष, पाठ्यक्रम कोड : एम एच डी, पाठ्यचर्या क्रमांक, पाठ्यचर्या का शीर्षक तथा सत्रीय कार्य कोड लिखिए।

04. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के मध्यभाग में अपना पूरा नाम (कृपया नाम के पहले श्रीमती/कुमारी/सुश्री/श्री/डॉ. न लिखें), अनुक्रमांक, नामांकन संख्या, पत्राचार पता (पिन कोड सहित) तथा मोबाइल नं. लिखिए।

05. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के निम्नभाग में सम्बन्धित अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता लिखिए तथा स्थान एवं दिनांक अंकित करते हुए अपने हस्ताक्षर अवश्य कीजिए। अहस्ताक्षरित प्रति अस्वीकार्य है।

06. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका को परियोजना कार्य की रिपोर्ट के साथ जाँच हेतु सम्बन्धित अध्ययन केंद्र के पते पर जमा करा दीजिये। लिफ़ाफ़े के शीर्ष पर **सत्रीय कार्य एवं परियोजना कार्य, एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2015-2017, द्वितीय वर्ष (एम एच डी)** अवश्य लिखिए।

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2015-17 , द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य

प्रश्नपत्र

पाठ्यचर्या शीर्षक : आधुनिक काव्य **सत्रीय कार्य कोड : एम एच डी - 06**

अधिकतम अंक: 30

- **निम्नलिखित 06 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 05 हैं।**

प्रश्न 01 :- जयशंकर प्रसाद ने आधुनिक युग की समस्याओं का बड़ी गहनता एवं तत्परता के साथ अनुशीलन करके उन समस्याओं के उचित समाधान 'कामायनी' के माध्यम से बड़ी लगन के साथ प्रस्तुत किए हैं। 'कामायनी' के प्रथम सर्ग 'चिन्ता' में प्रसाद ने आधुनिक मानव की चिन्ताग्रस्त स्थिति का निरूपण किया है और अन्तिम सर्ग 'आनन्द' में आज के चिन्तित मानव को अखण्ड आनन्द की उपलब्धि कराके आधुनिक जीवन की प्रमुख समस्याओं का समुचित समाधान प्रस्तुत किया है। 'कामायनी' के सन्दर्भ में वर्तमान जीवन में व्याप्त विषमता और उसे उत्पन्न करने वाले कारणों का उद्घाटन करते हुए सिद्ध कीजिए कि 'समरसता' के संचरण से ही अखण्ड आनन्द की प्राप्ति संभव है।

प्रश्न 02 :- निराला की 'राम की शक्तिपूजा' के प्रसंग हैं – राम की पराजय, शिविर में राम की चिन्ता, राम का अन्तर्द्वन्द्व, हनुमान का ऊर्ध्वगमन, विभीषण की मन्त्रणा, जाम्बवान की सलाह, राम का निश्चय, देवी की आराधना, पद्महरण प्रसंग, देवी-स्तुति, वर-प्राप्ति। निराला का काव्य अर्थ की कई भूमियों का स्पर्श करता है। उन्होंने रामकथा के इन प्रसंगों को मनोवैज्ञानिक भूमि पर अधिष्ठित कर दार्शनिक भावना के समावेश द्वारा उसे आधुनिक युग के अनुकूल बनाया है। 'राम की शक्तिपूजा' के कथानक का उल्लेख करते हुए सिद्ध कीजिए कि उसमें युगीन चेतना-आत्मसंघर्ष का भी अत्यन्त प्रभावकारी चित्र प्रस्तुत किया गया है।

प्रश्न 03:- अपने विशिष्ट रचना कौशल के कारण आधुनिक युग की युगान्तरकारी काव्यकृति 'कुरुक्षेत्र' कविवर दिनकर की एक महान कृति है। 07 सर्गों में निबद्ध इस कृति में भावों, विचारों एवं रसों का अद्भुत निरूपण हुआ है। 'कुरुक्षेत्र' की वस्तु-योजना, चरित्र-चित्रण, प्रकृति-चित्रण, युग-चित्रण, सौन्दर्य-निरूपण, रस-निरूपण, शब्द-विधान, अलंकार-विधान, छन्द-विधान आदि का विश्लेषण करते हुए इसका वैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिए।

प्रश्न 04 :- कवि अज्ञेय ने विविध प्रकार के बिम्बों द्वारा अपनी अभिव्यक्ति को रमणीय बनाया है, अपनी उक्तियों को सजाया है और अपने कथन को अधिकाधिक रोचक एवं मनोरंजक बनाया है। उनके काव्य में प्रयुक्त चारों प्रकार के बिम्बों, यथा – ऐन्द्रिय बिम्ब, वस्तुपरक बिम्ब, भाव बिम्ब और आध्यात्मिक बिम्ब की पड़ताल करते हुए उनके बिम्बविधान की विस्तृत विवेचना कीजिए।

प्रश्न 05 :- 'नई कविता' की संक्षिप्तता और प्रगीतात्मकता के विपरीत मुक्तिबोध की कविताएँ प्रदीर्घ और नाटकीय हैं। प्रदीर्घता और नाटकीयता के रूप विधान में मुक्तिबोध ने फैंटेसीपरक संरचना को खूबसूरती से पिरोया है। मुक्तिबोध ने अपनी संवेदना और यथार्थबोध के अनुरूप फैंटेसीपरक शिल्प की तलाश की। यह शिल्प उनकी चेतना और यथार्थ से उनके बहुस्तरीय सम्बन्धों का अपरिहार्य परिणाम है। उक्त सन्दर्भ में स्पष्ट कीजिए कि 'फैंटेसी' का क्या आशय है ? मुक्तिबोध द्वारा 'फैंटेसी शिल्प' अपनाने की क्या मजबूरी थी ? और औचित्य के इस सवाल की कसौटी पर 'अँधेरे में' कविता के 'फैंटेसी शिल्प' की परख कीजिए।

प्रश्न 06 :- अरुण कमल ने अपनी कविताओं के माध्यम से सर्वहारा सौन्दर्यबोध का विकास जनवाद की बुद्धिवादी और राष्ट्रवादी परम्पराओं की श्रृंखला में प्रस्तुत किया है। अपनी कविता के लिए उन्होंने अपना अलग मुहावरा गढ़ा है। अपनी कविता को एक नई भाव-भंगिमा प्रदान की है और अपनी कविता के व्यंग्य को अपनी तरह से और अधिक धारदार बनाया है। उनकी कविता की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे कविता में अपनी जड़ों की ओर लौटते दिखाई देते हैं और अपनी सांस्कृतिक विरासत के उत्स को खोजते हैं। अभावग्रस्त और शोषित मनुष्य के पक्ष में खड़े होकर काव्यसृजन करने वाले 'साठोत्तरी कविता' के महत्त्वपूर्ण हस्ताक्षर अरुण कमल के काव्य की भावचेतना और संवेदना को स्पष्ट करते हुए उनका रचनात्मक वैशिष्ट्य निरूपित कीजिए।

*****

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2015-17 , द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य

प्रश्नपत्र

पाठ्यचर्या शीर्षक : भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा **सत्रीय कार्य कोड : एम एच डी - 07**

अधिकतम अंक: 30

- **निम्नलिखित 06 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 05 हैं।**

प्रश्न 01 :- भारतीय आर्यभाषाओं का काल-विभाजन करते हुए प्राचीन भारतीय आर्य-भाषाओं की विशिष्टताओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

मध्यकालीन भारतीय आर्य-भाषाओं का विकास-क्रम स्पष्ट करते हुए उनमें रचित विशिष्ट रचनाओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

अपभ्रंश के क्षेत्रीय रूपों तथा उनसे विकसित होने वाली आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का सम्बन्ध स्पष्ट करते हुए आधुनिक भारतीय आर्य-भाषाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

अथवा

हिन्दी भाषा के प्रमुख 05 वर्गों के अन्तर्गत विभक्त 18 उपभाषाओं (बोलियों) का सोदाहरण परिचय दीजिए और उनके व्यवहार क्षेत्र का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 02 :- देवनागरी लिपि का विकास भारतवर्ष की प्राचीनतम ब्राह्मी लिपि की उत्तरी शाखा से हुआ है। देवनागरी लिपि के नामकरण के सम्बन्ध में प्रचलित विभिन्न मतों का उल्लेख करते हुए देवनागरी लिपि के उद्गम और क्रमिक विकास का विवेचन कीजिए।

अथवा

देवनागरी लिपि के गुण और दोषों का विवेचन करते हुए विभिन्न विद्वानों द्वारा प्रस्तुत किए गए लिपि सुधार सम्बन्धी सुझावों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 03 :- भाषा का आकृतिमूलक या शब्द-रचना की दृष्टि से वर्गीकरण कीजिए तथा इस वर्गीकरण की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भाषाओं का पारिवारिक वर्गीकरण किन सिद्धान्तों के आधार पर किया जाता है ? प्रत्येक वर्ग का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

प्रश्न 04 :- ध्वनि वर्गीकरण के प्रमुख सिद्धान्तों का उल्लेख कीजिए। आभ्यन्तर प्रयत्न (Degree of Openess) के आधार पर स्वर और व्यंजन का आधुनिक वर्गीकरण उदाहरण सहित लिखिए।

अथवा

"ध्वनि प्रयत्न-लाघव की दिशा में परिवर्तित होती है।" उक्त कथन की पुष्टि में ध्वनि परिवर्तन के कारणों की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित को स्पष्ट कीजिए :-

(क) ध्वनि-यन्त्र
(ख) भाषण, ध्वनि और ध्वनि मात्र का अन्तर
(ग) क्लिक ध्वनियाँ
(घ) संकेतग्रह

प्रश्न 05 :- वाक्यों के प्रकार और वाक्य-गठन में परिवर्तन के कारण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

रूप परिवर्तन या भाषा के शब्द-समूह में परिवर्तन किस प्रकार होता है और इस परिवर्तन के मुख्य कारण क्या-क्या माने जाते हैं ?

अथवा

उपयुक्त उदाहरण देते हुए अर्थ परिवर्तन की दिशाओं के आधार का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 06 :- निम्नलिखित को स्पष्ट कीजिए :-

(क) भाषा की परिभाषा
(ख) भाषा अर्जित सम्पत्ति है
(ग) भाषा संयोगावस्था से वियोगावस्था की ओर जाती है
(घ) भाषा चक्र
(ङ) भाषा की सामान्य प्रवृत्तियाँ

अथवा

निम्नलिखित को स्पष्ट कीजिए :-

(क) भाषा-विज्ञान की परिभाषा
(ख) भाषा-विज्ञान का अध्ययन करने की प्रणालियाँ
(ग) भाषा-विज्ञान के प्रमुख अंग
(घ) भाषा-विज्ञान की उपयोगिता
(ङ) भाषा की सामान्य प्रवृत्तियाँ

*****

सत्रीय कार्य
प्रश्नपत्र

पाठ्यचर्या शीर्षक : काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन **सत्रीय कार्य कोड : एम एच डी - 08**

अधिकतम अंक: 30

- **निम्नलिखित 06 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 05 हैं।**

प्रश्न 01 :- अलंकार को लेकर आचार्यों की क्या धारणाएँ रही हैं ? समझाकर लिखिए।

अथवा

'विशिष्ट पदरचना रीति' – वामन की इस परिभाषा के आधार पर रीति का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 02 :- वक्रोक्ति सिद्धान्त के भेद-प्रभेदों का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।

अथवा

ध्वनि काव्य के विभिन्न भेद-प्रभेदों को सोदाहरण समझाइए।

प्रश्न 03 :- "साधारणीकरण वह प्रक्रिया है जो रसास्वादन के पूर्व सहृदय के चित्त में घटित होती है।" विस्तृत विवेचना कीजिए।

अथवा

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल तथा आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी के काव्यशास्त्रीय चिन्तन का तुलनात्मक विश्लेषण कीजिए।

प्रश्न 04 :- प्लेटो ने अपने काव्य सिद्धान्त में काव्य के किस पक्ष को अधिक महत्त्व है ? अरस्तू का 'अनुकृति सिद्धान्त' प्लेटो से किन सन्दर्भों में भिन्न है ? समझाकर लिखिए।

अथवा

लोंजाइनस के अनुसार औदात्य वाणी का उत्कर्ष, कान्ति और वैशिष्ट्य है जिसके कारण महान् कवियों, इतिहासकारों दार्शनिकों को प्रतिष्ठा, सम्मान और ख्याति प्राप्त हुई है क्योंकि इसी से उनकी कृतियाँ गरिमामय बनी हैं और उनका प्रभाव युग-युगान्तर तक प्रतिष्ठित हो सका है। काव्य में उदात्त मूल्यों का पक्ष लेने वाले लोंजाइनस के काव्य सिद्धान्त का विस्तृत विवेचन कीजिए।

प्रश्न 05 :- टी. एस. इलियट के 'निर्वैयक्तिकता के सिद्धान्त' की सारगर्भित व्याख्या कीजिए।

अथवा

आई. ए. रिचर्ड्स द्वारा प्रतिपादित 'मनौवैज्ञानिक मूल्य का सिद्धान्त' और 'सम्प्रेषण का सिद्धान्त' की विस्तारपूर्वक मीमांसा कीजिए।

प्रश्न 06 :- फ्रांस की 1789 में हुई राज्यक्रान्ति पश्चिम में मानवीय मुक्ति और मानव के नवीन अभ्युदय की दृष्टि से बहुत महत्त्वपूर्ण है। यह साहित्य, कला एवं चिन्तन में क्रान्ति की भी सूचक है। इसी को स्वच्छन्द, मुक्त और उदार धारा का प्रस्तोता भी कहा जाता है। 'स्वच्छन्दतावाद' की पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए स्वच्छन्दतावादी काव्यधारा के प्रतिमानों को व्याख्यायित कीजिए।

अथवा

साहित्य में 'उत्तरआधुनिकतावाद' के तत्त्वों की 'आधुनिकतावाद' के तत्त्वों से भिन्नता प्रदर्शित करते हुए उत्तरआधुनिक रचनाओं में प्रस्तुत विषय-वास्तु (थीम्स) और तकनीकों को विश्लेषित कीजिए।

*****

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2015-17 , द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य

प्रश्नपत्र

पाठ्यचर्या शीर्षक : जनसंचार माध्यम **सत्रीय कार्य कोड : एम एच डी - 09**

अधिकतम अंक : 30

- **निम्नलिखित 06 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 05 हैं।**

प्रश्न 01 :- संचार प्रक्रिया में होने वाली विभिन्न प्रकार की बाधाओं (Barriers) को विस्तारपूर्वक सोदाहरण समझाइए।

अथवा

संचार प्रारूप क्या होते हैं ? किन्हीं दो संचार प्रारूपों को दर्शाते हुए उसकी प्रकिया को समझाइए तथा दोनों प्रारूपों को संचार तत्त्वों की दृष्टि से व्याख्यायित कीजिए।

प्रश्न 02 :- विज्ञापन निर्माण की तकनीक और कार्यविधि को प्रासंगिक उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। विज्ञापन हेतु विभिन्न माध्यमों के लिए प्रयुक्त भाषा किस प्रकार विशिष्ट एवं उपयुक्त होती है ?

अथवा

सिनेमा के सामाजिक व सांस्कृतिक सरोकारों के सह-सम्बन्धों पर प्रकाश डालिए। वर्तमान सरोकारों के सापेक्ष सिनेमा की स्थिति को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 03 :- श्रव्य एवं दृश्य-श्रव्य माध्यमों हेतु लेखन के अनिवार्य तत्व क्या हैं ? किसी डॉक्युमेंट्री के लिए इन दोनों माध्यमों की संरचना किस प्रकार होगी ? उदाहरण सहित संक्षिप्त विवेचना कीजिए।

अथवा

आधुनिक समय में पारम्परिक जनसंचार माध्यमों की अवधारणा किस प्रकार देखी जा सकती है ? भारतीय पारम्परिक जनमाध्यमों के सामाजिक जुड़ाव पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

प्रश्न 04 :- सैद्धान्तिक रूप से समाचार लेखन में न्यूज (NEWS) के वृहद आयाम को व्यक्त कीजिए। लेखन की दृष्टि से किसी समाचारपत्र की प्रस्तुति के संदर्भ में टिप्पणी कीजिए।

अथवा

समाचार लेखन और फीचर लेखन भिन्न विधाएँ किस प्रकार हैं ? इनकी विशिष्टताओं को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 05 :- "इंटरनेट ने माध्यमों को मिश्रित रूप देकर मीडिया कन्वर्जेंस की स्थिति बनाया है।" उक्त कथन की विवेचना कीजिए।

अथवा

इंटरनेट तकनीक के आगमन से जनमाध्यमों में आगत परिवर्तनों को रेखांकित कीजिए।

प्रश्न 06 :- स्वतन्त्रता पूर्व भारतीय मुद्रित माध्यमों के ऐतिहासिक विकास एवं प्रासंगिक सन्दर्भों को उल्लेखित कीजिए ?

अथवा

हिन्दीभाषी राज्यों में हिन्दी पत्रकारिता के स्वरूप एवं विकास की मीमांसा कीजिए।

*****

परियोजना कार्य

पाठ्यचर्या शीर्षक : रचनाकार का विशेष अध्ययन **सत्रीय कार्य कोड : एम एच डी – 10**

अधिकतम अंक: 100

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम के परियोजना कार्य के रूप में "रचनाकार का विशेष अध्ययन" पाठ्यचर्या (एम एच डी – 10) का समावेश किया गया है जिसमें विभिन्न युगों के उन्नायक और विधा विशेष के शीर्षस्थ 15 रचनाकार निर्धारित किये गए हैं। विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वह हिन्दी के उन कालजयी रचनाकारों का विशेष अध्ययन करे जिन्होंने चिन्तन और सर्जन के क्षेत्र में अपना विशिष्ट योगदान किया है और जिनका लेखन आज भी प्रासंगिक है। प्रस्तुत परियोजना कार्य के अन्तर्गत विद्यार्थी द्वारा निर्दिष्ट रचनाकारों में से किन्हीं 02 रचनाकारों के समग्र कृतित्व का सघन अध्ययन करना एवं उसका सम्यक् मूल्यांकन करते हुए प्रत्येक रचनाकार का न्यूनतम 8,000 शब्दों में परियोजना कार्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है।

(1) कबीरदास
(2) दादूदयाल
(3) मलिक मुहम्मद जायसी
(4) सूरदास
(5) तुलसीदास
(6) केशवदास
(7) बिहारी
(8) भारतेंदु हरिश्चंद्र
(9) जयशंकर प्रसाद
(10) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
(11) प्रेमचंद
(12) यशपाल
(13) रामचन्द्र शुक्ल
(14) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(15) स.ही. वात्स्यायन 'अज्ञेय'

सहायक पुस्तकें :

कबीरदास

01. अकथ कहानी प्रेम की : कबीर की कविता और उनका समय, पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
02. कबीर, सम्पादक : वासुदेवसिंह, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
03. कबीर, सम्पादक : विजयेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि., दिल्ली
04. कबीर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
05. कबीर : एक अनुशीलन, रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद
06. कबीर : एक नई दृष्टि, रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
07. कबीर एक पुनर्मूल्यांकन, सम्पादक : बलदेव वंशी, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा
08. कबीर : कवि और युग, एक पुनर्मूल्यांकन, के. श्रीलता, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
09. कबीर का रहस्यवाद, रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद
10. कबीर की खोज, सम्पादक : राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
11. कबीर की चिन्ता, बलदेव वंशी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
12. कबीर के आलोचक, धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
13. कबीर के आलोचक – 2, कबीर के कुछ और आलोचक, धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
14. कबीर के आलोचक – 3, सूत न कपास, धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
15. कबीर के काव्य में रूपक विधान, शगुफ़्ता नियाज़, अनंग प्रकाशन, दिल्ली
16. कबीर ग्रन्थावली, पारसनाथ तिवारी
17. कबीर ग्रन्थावली (सटीक), रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
18. कबीर ग्रंथावली, सम्पादक : श्यामसुंदरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
19. कबीर : दृष्टि-प्रतिदृष्टि, सम्पादक : राजेन्द्र टोकी, विमला बुक्स, दिल्ली
20. कबीर : नई सदी में : एक, कबीर : हजारीप्रसाद का प्रक्षिप्त चिंतन, धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
21. कबीर : नई सदी में : दो, कबीर और रामानंद, किंवदंतियाँ, धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
22. कबीर : नई सदी में : तीन, कबीर बाज भी, कपोत भी, पपीहा भी, धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
23. कबीर, निराला और मुक्तिबोध, ललिता अरोड़ा, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नई दिल्ली
24. कबीर बाज भी, कपोत भी, पपीहा भी, धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
25. कबीर बीजक में विचार और काव्य, रजनी जैन, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी
26. कबीर मीमांसा, रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
27. कबीर : व्यक्तित्त्व, कृतित्व एवं सिद्धांत, सरनामसिंह शर्मा, भारतीय शोध संस्थान, गुलाबपुरा
28. कबीर वांग्मय : खण्ड – 1, रमैनी, जयदेवसिंह, वासुदेवसिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
29. कबीर वांग्मय : खण्ड – 2, सबद, जयदेव सिंह, वासुदेव सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
30. कबीर वांग्मय : खण्ड – 3, साखी, जयदेवसिंह, वासुदेवसिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
31. कबीर विचार और दर्शन, सम्पादक : एस. एस. गौतम, गौतम बुक सेन्टर, दिल्ली
32. बेहद्दी मैदान में कबीर, सम्पादक : मुहम्मद ज़की, शिल्पायन, दिल्ली
33. भारतीय साहित्य के निर्माता कबीर, प्रभाकर माचवे, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली

दादूदयाल

01. उत्तरी भारत की संत परम्परा, परशुराम चतुर्वेदी
02. दादू के काव्य में रूपक एक विवेचन, शगुफ़्ता नियाज, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली

03. दादू ग्रन्थावली, सम्पादक : बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
04. दादू जीवन-दर्शन, बलदेव वंशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
05. दादूवाणी, सम्पादक : चन्द्रिकाप्रसाद त्रिपाठी
06. दादूवाणी, स्वामी नारायणदास, पुष्कर
07. दादूवाणी, परशुराम चतुर्वेदी
08. दादू समग्र, खण्ड – एक एवं दो, सम्पादक : गोविन्द रजनीश, अमरसत्य प्रकाशन, दिल्ली
09. संत कवि दादू, सम्पादक : बलदेव वंशी, आर्य प्रकाशन मंडल, दिल्ली
10. संत दादू और उनका काव्य, भगवत मिश्र
11. Dadu : Tha Compassionate Mystic, K. N. Upadhyaya, Radha Soami Satsang Beas, Punjab

मलिक मुहम्मद जायसी

01. जायसी, पूजन तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली
02. जायसी, विजयदेवनारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
03. जायसी : एक नई दृष्टि, रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
04. जायसी का कथा-लोक, देवेन्द्र, राजस्थानी साहित्य संस्थान, जोधपुर
05. जायसी का मूल्यांकन, रामचन्द्र शुक्ल, सम्पादक : कृष्णबीर सिंह, साहित्यागार, जयपुर
06. जायसी के परवर्ती हिन्दी-सूफ़ी कवि और काव्य, सरला शुक्ल, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
07. जायसी ग्रन्थावली, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
08. जायसी ग्रन्थावली, माताप्रसाद गुप्त
09. जायसी साहित्य में अप्रस्तुत योजना, विद्याधर त्रिपाठी, लोकवाणी संस्थान, दिल्ली
10. पद्मावत, मलिक मुहम्मद जायसी, व्याख्याकार : वासुदेवशरण अग्रवाल, साहित्य सदन, तलैया, झाँसी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य, शिवसहाय पाठक
12. सूफी कवि जायसी का प्रेम निरूपण, निज़ामुद्दीन अंसारी, अनुराग प्रकाशन, वाराणसी
13. हमारे संत – जायसी, दर्शन सेठी, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार

सूरदास

01. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
02. भ्रमरगीत सार, सम्पादक : रामचन्द्र शुक्ल, उपसम्पादक : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
03. भ्रमरगीत सार : बोध और व्याख्या, पूर्णमासी राय, देवदत्त राय, बालकृष्ण राय, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली
04. महाकवि सूरदास, नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
05. सूरदास, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
06. सूरदास, मैनेजर पाण्डेय
07. सूरदास, रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
08. सूरदास, सम्पादक : हरवंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
09. सूरदास और भ्रमरगीत सार, किशोरीलाल, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
10. सूरदास, जीवन और काव्य का अध्ययन, ब्रजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. सूरसागर, जगन्नाथदास रत्नाकर एवं नन्ददुलारे वाजपेयी, प्रकाशक : नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
12. सूरसागर सटीक, सम्पादक : हरदेव बाहरी, राजेन्द्र कुमार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. सूर साहित्य, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

तुलसीदास

01. गोसांई तुलसीदास, विश्वनाथप्रसाद मिश्र
02. गोस्वामी तुलसीदास, रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
03. तुलसी : आधुनिक वातायन से, रमेश कुंतल मेघ, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
04. तुलसी-काव्य-मीमांसा, उदयभानुसिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
05. तुलसी की साहित्य साधना, लल्लन राय, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
06. तुलसी के ग्यारह ग्रन्थ भाग – 2, युगेश्वर, साहित्य भण्डार, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण
07. तुलसी के रचना सामर्थ्य का विवेचन, योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
08. तुलसी के हिय हेरि, विष्णुकांत शास्त्री, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
09. तुलसीकृत विनयपत्रिका एवं त्यागराज-कीर्तन में भक्तिरस, लीला ज्योति, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. तुलसी ग्रन्थावली, भाग : 1, नागरी प्रचारिणी सभा
11. तुलसी-ग्रंथावली दूसरा खंड, सम्पादक : रामचन्द्र शुक्ल, भगवानदीन, ब्रजरत्नदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
12. तुलसीदास, रामचन्द्र तिवारी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
13. तुलसीदास : एक मूल्यांकन, सम्पादक : अजय तिवारी, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा
14. तुलसीदास, माताप्रसाद गुप्त, हिन्दी परिषद् प्रकाशन, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
15. तुलसीदास, सम्पादक : वासुदेव सिंह, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
16. तुलसीदास, रामजी तिवारी, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
17. तुलसीदास और उनका युग, राजपति दीक्षित, ज्ञानमंडल लिमिटेड, बनारस
18. तुलसीदास के साहित्य में लोक और शास्त्र, वन्दना शाही, लोकायत प्रकाशन, वाराणसी
19. तुलसी प्रेरणा प्रतिफलन, हरिकृष्ण अवस्थी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
20. भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास, रामविलास शर्मा, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
21. रामचरितमानस, टीकाकार : हनुमानप्रसाद पोद्दार, प्रकाशक : गीताप्रेस गोरखपुर
22. लोकवादी तुलसीदास, विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

केशवदास

01. केशव की काव्य चेतना, विजयपाल सिंह
02. केशव की काव्यकला, कृष्ण शंकर रसाल, विकास प्रकाशन, कानपुर
03. केशव के काव्य का शैली वैज्ञानिक अध्ययन, प्रणव शर्मा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
04. केशव-कौमुदी प्रथम भाग रामचन्द्रिका सटीक पूर्वार्द्ध, लाला भगवानदीन, रामनारायणलाल बेनीमाधव, इलाहाबाद
05. केशव कृत 'कविप्रिया' की टीका प्रिया प्रकाश, लाला भगवानदीन, कल्याणदास एंड ब्रदर्स, ज्ञानवापी, वाराणसी
06. केशवदास, जगदीश गुप्त, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
07. केशवदास, सम्पादक : विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
08. केशव ग्रन्थावली, भाग 1-2-3, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
09. जहाँगीर-जस-चन्द्रिका, किशोरी लाल, साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद
10. रामचन्द्रिका (केशव कौमुदी), केशवदास, टीकाकार : लाला भगवानदीन, रामनारायणलाल बेनीमाधव, इलाहाबाद
11. रामचन्द्रिका में सांस्कृतिक चेतना, प्रेमप्रकाश शर्मा, व्रजेश्वरी प्रकाशन, दिल्ली
12. संक्षिप्त रामचन्द्रिका, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
13. संक्षिप्त रामचन्द्रिका (एक आलोचनात्मक परिचय), प्रभु नारायण नाट्याचार्य, रमेश बुक डिपो, जयपुर सिटी

बिहारी

01. कविवर बिहारी, जगन्नाथदास रत्नाकर, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
02. देव और बिहारी, कृष्ण बिहारी मिश्र
03. बिहारी, विश्वनाथप्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
04. बिहारी अनुशीलन (वक्रोक्ति के संदर्भ में), सरोज गुप्ता, प्रकाशक : ईशा ज्ञानदीप
05. बिहारी का नया मूल्यांकन, बच्चनसिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
06. बिहारी काव्य का अभिनव मूल्यांकन, किशोरीलाल, साहित्य भवन, इलाहाबाद
07. बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी
08. बिहारीबोधिनी, लाला भगवानदीन
09. बिहारी रत्नाकर, जगन्नाथदास 'रत्नाकर', प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली
10. बिहारी-सतसई, देवेन्द्र शर्मा 'इन्द्र', विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
11. बिहारी सतसई (लालचंद्रिका), सुधाकर पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
12. बिहारी सतसई (संजीवन भाष्य), पद्म सिंह शर्मा
13. बिहारी-सतसई श्रृंगारेतर मूल्यांकन, देवेन्द्र, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
14. बिहारी सार्धशती, ओम्प्रकाश, राजपाल एण्ड सन्ज़, दिल्ली
15. सामन्ती परिवेश का यथार्थ और बिहारी का काव्य, रामदेव शुक्ल, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

01. नाटक, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
02. नाटककार भारतेन्दु की रंग-परिकल्पना, सम्पादक : सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
03. भारतेन्दु, शिवनंदन सहाय, हिन्दी समिति, लखनऊ
04. भारतेन्दु और अँधेर नगरी, गिरीश रस्तोगी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
05. भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास-परम्परा, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
06. भारतेन्दुयुगीन हिन्दी पत्रकारिता, वंशीधर लाल
07. भारतेन्दु समग्र, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
08. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, ब्रजरत्नदास, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
09. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, रामविलास शर्मा, विद्याधाम, दिल्ली, प्रथम संस्करण
10. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

जयशंकर प्रसाद

01. आधुनिक साहित्य, नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
02. आधुनिक साहित्य : मूल्य और मूल्यांकन, निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
03. कामायनी (काव्य), जयशंकर प्रसाद, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
04. कामायनी : एक पुनर्विचार, गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
05. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
06. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
07. काव्य, कला तथा अन्य निबन्ध, जयशंकरप्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
08. चन्द्रगुप्त (नाटक), जयशंकर 'प्रसाद', साहित्यागार, जयपुर
09. चन्द्रगुप्त : एक मूल्यांकन, राजनाथ शर्मा, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
10. छठवाँ दशक, विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद

11. छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
12. छायावाद और उसके कवि, इन्दुराजसिंह, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
13. छायावाद की प्रासंगिकता, रमेशचंद्र शाह, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद
14. जयशंकर प्रसाद, नन्ददुलारे वाजपेयी, कमल प्रकाशन, जबलपुर
15. जयशंकर प्रसाद, रमेशचंद्र शाह, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
16. जयशंकर प्रसाद और चन्द्रगुप्त, गिरीश रस्तोगी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
17. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता, प्रभाकर श्रोत्रिय, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
18. जयशंकर प्रसाद के सम्पूर्ण नाटक तथा सम्पूर्ण निबन्ध, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
19. जयशंकर प्रसाद कृत नाटक चन्द्रगुप्त: एक विवेचन, कृष्णदेव शर्मा, माया अग्रवाल, अनीता प्रकाशन, दिल्ली
20. जयशंकर प्रसाद ग्रन्थावली, डायमंड पाकेट बुक्स प्रा. लि., नई दिल्ली
21. जयशंकर प्रसाद : रंगदृष्टि (दो खंड), महेश आनन्द, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
22. नाटककार जयशंकर प्रसाद, सम्पादक : सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
23. प्रसाद और उनका साहित्य, विनोदशंकर व्यास, हिन्दी साहित्य कुटीर, वाराणसी
24. प्रसाद का काव्य, प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
25. प्रसाद का गद्य साहित्य, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
26. प्रसाद के नाटक, सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना
27. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
28. प्रसाद की सम्पूर्ण कविताएँ, जयशंकर प्रसाद, नया साहित्य केंद्र, दिल्ली
29. प्रसाद : नाट्य और रंगशिल्प, गोविन्द चातक
30. प्रसाद साहित्य कोश (काव्य यात्रा), सुरेश गौतम, वीणा गौतम, दिव्यम प्रकाशन, दिल्ली
31. पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त, रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
32. लहर, जयशंकर प्रसाद, भारती भंडार, इलाहाबाद

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

01. अनकहा निराला, जानकीवल्लभ शास्त्री, अभिधा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर
02. कबीर, निराला और मुक्तिबोध, ललिता अरोड़ा, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नई दिल्ली
03. कवि निराला, नन्ददुलारे वाजपेयी, मेकमिलन, नई दिल्ली
04. क्रांतिकारी कवि निराला, बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
05. छायावाद और उसके कवि, इन्दुराजसिंह, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
06. निराला : आत्महंता आस्था, दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
07. निराला की कविताएँ, सम्पादक : परमानंद श्रीवास्तव, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
08. निराला की कविताएँ और काव्य-भाषा, रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
09. निराला की साहित्य-साधना, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. निराला : कृति से साक्षात्कार, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. निराला रचनावली, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
12. निराला संचयिता, सम्पादक : रमेशचन्द्र शाह, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
13. परिमल (काव्य-संग्रह), सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. महाकवि निराला एवं उनकी कालजयी कविताएँ, अनुपम माथुर, कला मन्दिर, दिल्ली
15. राग-विराग, निराला, सम्पादक : रामविलास शर्मा, सरस्वती विहार प्रकाशन

प्रेमचंद

01. कथाकार प्रेमचंद, जाफर रज़ा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
02. कलम का मजदूर प्रेमचंद, मदनगोपाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
03. कलम का सिपाही, अमृत राय
04. कुछ कहानियाँ कुछ विचार, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
05. कुछ विचार, प्रेमचंद, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद
06. गोदान (उपन्यास), प्रेमचंद, सुमित्र प्रकाशन, इलाहाबाद
07. गोदान, राधाकृष्ण मूल्यांकन माला, (आलोचना), सम्पादक : राजेश्वर गुरु, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि., दिल्ली
08. गोदान : कुछ सन्दर्भ, कमलेश कुमार गुप्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
09. प्रेमचंद, कमलकिशोर गोयनका, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
10. प्रेमचंद, प्रकाशचंद्र गुप्त, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
11. प्रेमचंद, नरेन्द्र कोहली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
12. प्रेमचंद, रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
13. प्रेमचंद और अछूत समस्या, कान्ति मोहन, जनसुलभ साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
14. प्रेमचंद और उनका युग, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
15. प्रेमचंद और उनका युग, सम्पादक : सत्येन्द्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
16. प्रेमचंद और भारतीय किसान, रामबक्ष, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
17. प्रेमचंद और भारतीय समाज, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
18. प्रेमचंद : एक साहित्यक विवेचन, नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
19. प्रेमचंद : कहानी का रहनुमा, जाफर रज़ा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
20. प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन, शंभुनाथ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
21. प्रेमचंद का सौन्दर्य शास्त्र, नंदकिशोर नवल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
22. प्रेमचंद के विचार (तीन खंड), प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
23. प्रेमचंद की सम्पूर्ण कहानियाँ, प्रेमचंद, सुमित्र प्रकाशन, इलाहाबाद
24. प्रेमचंद घर में, शिवरानी देवी प्रेमचंद, श्रद्धांजली, बनारसीदास चतुर्वेदी, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली
25. प्रेमचंद : चिंतन और कला, सम्पादक : इंद्रनाथ मदान
26. प्रेमचंद-पूर्व के हिन्दी उपन्यास, ज्ञानचंद जैन, आर्य प्रकाशन मंडल, नई दिल्ली
27. प्रेमचंद : विगत महत्ता और वर्तमान अर्थवत्ता, मुरलीमनोहर प्रसाद सिंह एवं रेखा अवस्थी, राजकमल प्रकाशन
28. प्रेमचंद : विरासत का सवाल, शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
29. प्रेमचंद : सामंत का मुंशी, धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
30. सर्जना पथ के सहयात्री, निर्मल वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
31. सिर्फ़ एक आवाज़ प्रेमचन्द रचित दलित-जीवन की कहानियाँ, सम्पादन : राजीव रंजन गिरि, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, राजघाट, नयी दिल्ली
32. हिन्दी उपन्यास : विशेषतः प्रेमचंद, नलिनविलोचन शर्मा, ज्ञानपीठ, पटना

यशपाल

01. अमिता, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
02. आधार चयन : यशपाल कहानियाँ, चयन एवं भूमिका : ज्ञानचंद्र शर्मा, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा
03. उत्तमी की माँ, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
04. उत्तराधिकारी, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

05. कथाकार एवं उपन्यासकार यशपाल, हेमराज कौशिक, पुष्पांजलि प्रकाशन, दिल्ली
06. क्रांतिकारी यशपाल, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
07. खच्चर और आदमी, यशपाल, लखनऊ
08. गीता पार्टी कामरेड, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
09. चक्कर क्लब, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. झूठा सच , यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. तर्क का तूफ़ान, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. दादा कामरेड, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. दिव्या, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. दिव्या इतिहास, संस्कृति और नारी विमर्श, सम्पादक : नमिता सिंह, नवचेतन प्रकाशन, दिल्ली
15. देशद्रोही, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. धर्मयुद्ध, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
17. न्याय का संघर्ष, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
18. पक्षधर यथार्थ के कथाकार : यशपाल, अमृतलाल नागर, रेणु और अमरकांत, विष्णुचंद्र शर्मा, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
19. पिंजड़े की उड़ान, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
20. फूलों का कुर्ता, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
21. बारह घंटे, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
22. बीवीजी कहती हैं मेरा चेहरा रौबीला है, यशपाल, लखनऊ
23. भस्मावृत चिंगारी, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
24. भारतीय साहित्य के निर्माता : यशपाल, कमला प्रसाद, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली
25. भूख के तीन दिन, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
26. मनुष्य के रूप, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
27. मेरी तेरी उसकी बात, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
28. यशपाल, शिल्पायन, दिल्ली
29. यशपाल, मधुरेश, आधार प्रकाशन, पंचकूला
30. यशपाल का उपन्यास साहित्य, गोपाल कृष्ण शर्मा, ज्योतिलोक प्रकाशन, दिल्ली
31. यशपाल का कथा साहित्य और कथा नाटक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
32. यशपाल का कहानी संसार, सी. एम. योहन्नान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
33. यशपाल का यात्रा साहित्य, विप्लव कार्यालय, लखनऊ
34. यशपाल का यात्रा साहित्य और कथा नाटक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
35. यशपाल का साहित्य सृजन के विविध आयाम, हेमराज कौशिक, पुष्पांजलि प्रकाशन, दिल्ली
36. यशपाल की सम्पूर्ण कहानियाँ, खण्ड : 1 से 4, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
37. यशपाल के उपन्यास, चमनलाल, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली
38. यशपाल के उपन्यास, प्रमोद पाटिल, विकास प्रकाशन, कानपुर
39. यशपाल के उपन्यासों की सामाजिक चेतना, भगवान पाठक, रमन बुक सेंटर, मथुरा
40. यशपाल के उपन्यासों में सामाजिक यथार्थ, ऋतु वार्ष्णेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
41. यशपाल के निबन्ध, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
42. यशपाल के पत्र, मधुरेश, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
43. यशपाल : पुनर्मूल्यांकन, सम्पादक : कुंवरपालसिंह, शिल्पायन, दिल्ली

44. यशपाल : रचनात्मक पुनर्वास की एक कोशिश, मधुरेश, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा
45. यशपाल रचनावली, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
46. यशपाल रचना संचयन, मधुरेश, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
47. रामराज्य की कथा, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
48. वो दुनिया, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
49. स्वर्गोद्यान बिना सांप, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
50. सच बोलने की भूल, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
51. सिंहावलोकन, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
52. ज्ञानदान, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

रामचन्द्र शुक्ल

01. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
02. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ग्रन्थावली, सम्पादक : ओमप्रकाश सिंह, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
03. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल संचयन, सम्पादक : नामवर सिंह, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
04. गोस्वामी तुलसीदास, रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
05. चिन्तामणि, पहला भाग (निबन्ध-संग्रह), रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
01. चिंतामणि (भाग 2), रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
02. चिंतामणि (भाग 3), रामचन्द्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
06. चिंतामणि (भाग 4), रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल साहित्य शोध संस्थान, वाराणसी
07. जायसी का मूल्यांकन, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, साहित्यागार, जयपुर
08. जायसी ग्रन्थावली, सम्पादक : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
09. तुलसी-ग्रंथावली दूसरा खंड, सम्पादक : रामचन्द्र शुक्ल, भगवानदीन, ब्रजरत्नदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
10. भ्रमरगीत सार, सम्पादक : रामचन्द्र शुक्ल, उपसम्पादक : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. रस-मीमांसा, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
12. रामचन्द्र शुक्ल, मलयज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
13. रामचन्द्र शुक्ल : आलोचना का अर्थ - अर्थ की आलोचना, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. सूरदास, सम्पादक : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
15. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
16. हिन्दी साहित्य का इतिहास-दर्शन और रामचन्द्र शुक्ल, देवलाल मौर्य, एक्सीलेंस पब्लिशर्स, इलाहाबाद

हजारीप्रसाद द्विवेदी

01. अशोक के फूल (निबन्ध-संग्रह), हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
02. कबीर, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
03. नाट्यशास्त्र की भारतीय परम्परा और दशरूपक, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
04. नाथ सम्प्रदाय, हजारीप्रसाद द्विवेदी
05. बाणभट्ट की आत्मकथा, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
06. बाणभट्ट की आत्मकथा पाठ और पुनर्पाठ, सम्पादक : मधुरेश, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा
07. बीसवीं शताब्दी के चर्चित उपन्यास, राजेन्द्र मिश्र, प्रहलाद तिवारी, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
08. भाषा, साहित्य और देश, हजारीप्रसाद द्विवेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

09. मध्यकालीन धर्म-साधना, हजारीप्रसाद द्विवेदी, साहित्य भवन, इलाहबाद
10. मध्यकालीन बोध का स्वरूप, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. रवीन्द्रनाथ की कविताएँ , अनुवादक : हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामधारी सिंह दिनकर, हंसकुमार तिवारी, भवानीप्रसाद मिश्र, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
12. साहित्य-सहचर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. सूर साहित्य, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. हजारीप्रसाद द्विवेदी ग्रन्थावली, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
15. हजारीप्रसाद द्विवेदी संचयिता, सम्पादक : राधावल्लभ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
16. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
17. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
18. हिन्दी साहित्य की भूमिका, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

स. ही. वात्स्यायन 'अज्ञेय'

01. अद्यतन, सच्चिदानंद वात्स्यायन, सरस्वती विहार, दिल्ली
02. अन्तरा, अज्ञेय, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, प्रथम संस्करण
03. अपने अपने अज्ञेय, भाग : 1 एवं 2, सम्पादक : ओम थानवी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
04. अपरोक्ष, अज्ञेय से सात संवाद, सरस्वती विहार, दिल्ली
05. अस्तित्ववाद, योगेंद्र शाही, मेकमिलन प्रकाशन, दिल्ली
06. 'असाध्यवीणा' की साधना (मूल्यांकन और पाठ), सम्पादक : वशिष्ठ अनूप, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
07. अज्ञेय : सम्पादक : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, प्रथम संस्करण
08. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या, रामस्वरूप चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
09. अज्ञेय और उनका कथा-साहित्य, गोपाल राय, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
10. अज्ञेय और नई कविता, चंद्रकला त्रिपाठी, संजय प्रकाशन, वाराणसी
11. अज्ञेय और समकालीन काव्य, नरेन्द्र देव वर्मा, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद
12. अज्ञेय एक अध्ययन, भोलाभाई पटेल, गुजरात यूनिवर्सिटी प्रकाशन
13. 'अज्ञेय' कथाकार और विचारक, विजयमोहन सिंह, पारिजात प्रकाशन, पटना
14. अज्ञेय कवि, ओमप्रकाश अवस्थी, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर
15. अज्ञेय कवि और काव्य, राजेन्द्र प्रसाद, तक्षशिला प्रकाशन,दिल्ली
16. अज्ञेय का उपन्यास साहित्य, दुर्गाशंकर मिश्र, हिन्दी साहित्य भंडार
17. अज्ञेय का कथा साहित्य, ओमनारायण अवस्थी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
18. अज्ञेय का काव्य : सुमन झा, अनुसंधान प्रकाशन, कानपुर
19. अज्ञेय का रचना संसार, सम्पादक : गंगाप्रसाद विमल, सुषमा पुस्तकालय प्रकाशन, दिल्ली
20. अज्ञेय का संसार : शब्द और सत्य, सम्पादक : अशोक वाजपेयी, पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली
21. अज्ञेय की उपन्यास यात्रा, ए. अरविन्दाक्षन
22. अज्ञेय की कविता एक मूल्यांकन, चन्द्रकान्त बांदिवडेकर, सरस्वती प्रेस
23. अज्ञेय की कविता : परम्परा और प्रयोग, रमेश ऋषिकल्प, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
24. अज्ञेय की काव्य तितीर्षा, नंदकिशोर आचार्य, सूर्य प्रकाशन मंदिर, बीकानेर
25. अज्ञेय की गद्य-शैली, सावित्री मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
26. अज्ञेय की रचना में काम तत्त्व एवं उसकी परिणति, ज्वालाप्रसाद खैतान, भारती भंडार प्रकाशन, इलाहाबाद
27. अज्ञेय : कुछ रंग, कुछ राग, श्रीलाल शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

28. अज्ञेय के उपन्यासों की शिल्प विधि, सत्यपाल चुघ, दिल्ली पुस्तक सदन, दिल्ली
29. अज्ञेय के काव्य में क्षण, सुनीता सक्सेना, पाण्डुलिपि प्रकाशन, शाहदरा
30. अज्ञेय के सृजन में जापान, शोध एवं संचयन : रीतारानी पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
31. अज्ञेय जितना तुम्हारा सच है, सम्पादन : यतीन्द्र मिश्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
32. अज्ञेय : जेल के दिनों की कहानियाँ, सं. : कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
33. अज्ञेय रचनावली , खण्ड : 1 से 9, सम्पादक : कृष्णदत्त पालीवाल, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
34. अज्ञेय रचना संचयन, सम्पादक : कन्हैयालाल नन्दन, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
35. अज्ञेय : वागर्थ का वैभव, रमेशचन्द्र शाह, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
36. अज्ञेय संचयिता, सम्पादक : नंदकिशोर आचार्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
37. अज्ञेय-साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन, केदार शर्मा,अनुपम प्रकाशन, चौड़ा रास्ता, जयपुर
38. अज्ञेय सृजन और संघर्ष, रामकमल राय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
39. अज्ञेय संचयिता, सम्पादक : नन्दकिशोर आचार्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
40. आज के लोकप्रिय कवि अज्ञेय, सम्पादक : विद्यानिवास मिश्र, राजकमल एण्ड सन्स, दिल्ली
41. आत्मनेपद, अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली
42. आत्मपरक, सच्चिदानंद वात्स्यायन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
43. आधुनिक हिन्दी कविता में बिम्ब विधान, केदारनाथ सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन
44. आधुनिक हिन्दी साहित्य, सच्चिदानंद वात्स्यायन, राजपाल एण्ड सन्स
45. आलवाल, सच्चिदानंद वात्स्यायन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
46. कवि-दृष्टि : अज्ञेय, सम्पादक : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
47. चिन्ता, अज्ञेय, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
48. चौथा सप्तक, सम्पादक : अज्ञेय, सरस्वती विहार प्रकाशन, दिल्ली
49. छाया का जंगल, सच्चिदानंद वात्स्यायन, सरस्वती विहार प्रकाशन, दिल्ली
50. जयदोल (कहानी-संग्रह), अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
51. जोग लिखी, अज्ञेय, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
52. तार सप्तक, सम्पादक : अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन
53. तीसरा सप्तक, सम्पादक : अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन
54. दूसरा सप्तक , अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन
55. नदी के द्वीप, अज्ञेय, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद
56. नदी के द्वीप की रचना-प्रक्रिया, देवेश ठाकुर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
57. प्रयोगवाद और अज्ञेय, शैल सिन्हा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
58. मरुथल (अज्ञेय की अंतिम कविताएँ)
59. युग संधियों पर, सच्चिदानंद वात्स्यायन, सरस्वती विहार प्रकाशन, दिल्ली
60. लिखि कागद कोरे, अज्ञेय, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
61. विपथगा (कहानियाँ),अज्ञेय
62. शेखर एक जीवनी, पहला एवं दूसरा भाग, अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
63. सबरंग और कुछ राग : अज्ञेय, रचयिता : कुट्टियातन, राधाकृष्ण प्रकाशन
64. सर्जना और सम्प्रेषण, सम्पादक : सच्चिदानंद वात्स्यायन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
65. सर्जना और संदर्भ ('राजनीति और साहित्य' शीर्षक निबन्ध), अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
66. स्मृतिलेखा, अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

67. साहित्य और समाज परिवर्तन की प्रक्रिया, सम्पादक : सच्चिदानंद वात्स्यायन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
68. स्रोत और सेतु, अज्ञेय, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
69. हिन्दी की प्रयोगशील कविता और उसके प्रेरणा स्रोत, श्रीराम नागर, सरदार बल्लभभाई विद्यापीठ, गुजरात
70. त्रिशंकु, सच्चिदानंद वात्स्यायन, सूर्य प्रकाशन मन्दिर, बीकानेर

सहायक पत्र-पत्रिकाएँ (अज्ञेय) :

01. आलोचना, अंक : 14, 31, 37, 2
02. क ख ग, अंक : 13
03. कल्पना, अंक : जुलाई, 1960
04. पूर्वग्रह, अंक : 39 - 40
05. प्रतीक, अंक : 7, 8, 9, 10, 11, 12, सम्पादक : सच्चिदानंद वात्स्यायन, सरस्वती प्रेस, बनारस
06. भारती, अंक : मार्च, 1962
07. नयी कविता, अंक : संयुक्तांक5 – 6
08. नयी धारा, अंक : अप्रैल, 1967
09. नया प्रतीक, सम्पादक : अज्ञेय, अंक : नवम्बर, 1976
10. नागरी पत्रिका, अंक : मार्च – अप्रैल, 1968

उपयोगी वेबसाइट्स :

1. http://epgp.inflibnet.ac.in/ahl.php?csrno=18
2. http://www.hindisamay.com/
3. http://hindinest.com/
4. http://www.dli.ernet.in/
5. http://www.archive.org

*****

परियोजना कार्य का उद्देश्य :-

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम के परियोजना कार्य के रूप में "रचनाकार का विशेष अध्ययन" पाठ्यचर्या (एम एच डी – 10) का उद्देश्य है कि एम. ए. स्तर का विद्यार्थी पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य तक ही सीमित न रहकर हिन्दी की प्रमुख रचनाकारों के रचना-संसार से भी भली-भाँति परिचित हो सके। इसी को लक्ष्य कर विभिन्न युगों के उन्नायक और विधा विशेष के शीर्षस्थ 15 रचनाकार परियोजना कार्य "रचनाकार का विशेष अध्ययन" पाठ्यचर्या में निर्धारित किये गए हैं। चिन्तन और सर्जन के क्षेत्र में अपना विशिष्ट योगदान देकर हिन्दी की श्री में वृद्धि करने वाले इन कालजयी रचनाकारों - जिनका लेखन आज भी प्रासंगिक है - के विशेष अध्ययन हेतु विद्यार्थी को प्रवृत्त करने में रचनाकारों के सम्यक् अध्ययन और उसके विवेचन-विश्लेषण की प्रवृत्ति विकसित करने का उद्देश्य सन्निहित है। विद्यार्थियों को शोधपरक अध्ययन की ओर उन्मुख करना और उनमें अनुसंधान-प्रक्रिया के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करना भी प्रस्तुत परियोजना कार्य का अन्तर्निहित लक्ष्य है ।

परियोजना कार्य के विभिन्न चरण :-

01. विषय-निर्वाचन : परियोजना कार्य हेतु विद्यार्थी को निर्धारित 15 रचनाकारों में से किन्हीं 02 रचनाकारों का चयन करना है। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे उन रचनाकारों का चयन करें जिनके अध्ययन में उनकी रुचि हो तथा जिनकी रचनाएँ स्थानीय तौर पर उन्हें सहजता से सुलभ हो सकें। रचनाकारों का अंतिम चयन पर्यवेक्षक/पाठ्यक्रम संयोजक से अनुमति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए।

02. परियोजना कार्य पर्यवेक्षक का निर्वाचन : विद्यार्थी परियोजना कार्य पर्यवेक्षक निर्वाचन संबंधी जानकारियों हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.hindivishwa.org पर दूर शिक्षा >>> सूचना पट्ट >>> परियोजना कार्य पर्यवेक्षक सम्बन्धित सूचनाओं का अवलोकन कर सकते हैं। अध्ययन केंद्रों द्वारा पंजीकृत विद्यार्थी परियोजना कार्य निर्देशन हेतु अध्ययन केंद्र से संपर्क करें।

03. सामग्री-संकलन : विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वह चयनित रचनाकारों की समस्त रचनाओं का अध्ययन-मनन कर उनके साहित्य पर लिखित विभिन्न आलोचनात्मक पुस्तकों का अधिकाधिक अध्ययन करे। विद्यार्थी को चयनित विषय से सम्बन्धित अधिकाधिक सूचनाएँ तथा जानकारियाँ एकत्रित करनी चाहिए। विद्यार्थी को सुझाई गई सम्बन्धित सहायक पुस्तकों के अध्ययन के साथ ही उपयोगी वेबसाइट्स का भी ध्यानपूर्वक अवलोकन करना चाहिए।

04. तथ्य-विश्लेषण : सामग्री-संकलन के उपरान्त उसकी संवीक्षा करना परियोजना कार्य का एक महत्त्वपूर्ण चरण है। चूँकि प्रत्येक विषय के कथ्य को विवेचित-विश्लेषित करने हेतु मात्र 8000 शब्दों की सीमा निर्धारित की गयी है अत: संकलित-सामग्री में से अनावश्यक सूचनाओं को हटा कर केवल महत्त्वपूर्ण जानकारियों के आधार पर ही रिपोर्ट तैयार करनी चाहिए। संगृहीत तथ्यों के विश्लेषण उपरांत विद्यार्थी को चयनित विषय से सम्बन्धित प्राप्त सूचनाओं को क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत करना होता है। विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वे महत्त्वपूर्ण एवं आवश्यक जानकारियों के आधार पर ही सम्बन्धित विषय की तथ्यपरक परियोजना कार्य रिपोर्ट तैयार करेंगे।

05. परियोजना कार्य रिपोर्ट लेखन : किसी भी परियोजना कार्य का परिणाम एक रिपोर्ट के रूप में सामने आता है। विद्यार्थियों को विभिन्न प्रविधियों द्वारा प्राप्त तथ्यों एवं निष्पत्तियों को पर्याप्त विस्तार के साथ विवेचित-विश्लेषित करना चाहिए। आवश्यकता होने पर तालिका आदि के द्वारा भी उनकी प्रस्तुति की जा सकती है। विद्यार्थियों को यह स्मरण रखना चाहिए कि एक आदर्श परियोजना कार्य में सूचना-संग्रहण एवं स्वाध्यायपरक विवेचन-विश्लेषण दोनों का उचित संयोजन होना चाहिए। अतः परियोजना कार्य रिपोर्ट में तथ्यों की जानकारी आवश्यकतानुसार ही दें। अनावश्यक तथ्यों एवं सूचनाओं का प्रस्तुतीकरण मात्र परियोजना कार्य के प्रभाव को कम करता है।

06. परियोजना कार्य विद्यार्थी द्वारा स्वयं की हस्तलिपि में संपन्न किया जाना है। परियोजना कार्य रिपोर्ट की अंतिम प्रति स्वच्छ, स्पष्ट, पठनीय अक्षरों में लिखित, वर्तनी संबंधी दोषों से रहित, प्रारूपबद्ध और बिना काट-छाँट किए तथा भली प्रकार नत्थी/स्पाइरल बाइंडिंग की गई हो। आवश्यकता प्रतीत होने पर मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित किया जा सकता है। परियोजना कार्य में केवल नीले अथवा काले रंग की स्याही वाले पेन अथवा बालपेन का ही प्रयोग कीजिए। परियोजना कार्य में प्रत्येक नए अध्याय का प्रारम्भ नए पृष्ठ से कीजिए। परियोजना कार्य रिपोर्ट हेतु A–4 साइज़ के कागज़ों का प्रयोग करें। कार्य सम्पन्नोपरान्त सभी कागज़ों को भली प्रकार नत्थी कर लीजिए। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि अपनी परियोजना कार्य रिपोर्ट की सुरक्षित प्रस्तुति हेतु वे समस्त कागज़ों को स्पाइरल बाइंडिंग करा लें। विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार गुणवत्तापूर्ण कागज़ के बड़े आकार के जिल्दबंद रजिस्टर में भी परियोजना कार्य रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकते हैं। परियोजना कार्य के अंतिम पृष्ठ पर कुल पृष्ठ संख्या लिखकर अपने हस्ताक्षर कीजिए। परियोजना कार्य की विद्यार्थी द्वारा स्वयं की हस्तलिपि में लिखित प्रति ही स्वीकार की जाएगी। आवश्यकता प्रतीत होने पर विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत परियोजना कार्य में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) तथा सत्रांत परीक्षा में विद्यार्थी द्वारा उत्तर-पुस्तिका में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) का मिलान करवाया जाएगा। दोनों की हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) में भिन्नता पाए जाने पर ऐसे परियोजना कार्य का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। **परियोजना कार्य की कंप्यूटर टंकित प्रति अस्वीकार्य है। कंप्यूटर टंकित परियोजना कार्य का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।**

परियोजना कार्य प्रस्तुतीकरण :-

विद्यार्थी द्वारा तैयार की जानी वाली परियोजना कार्य का रिपोर्ट लेखन निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार होना चाहिए :-

01. मुखपृष्ठ : परियोजना कार्य के मुखपृष्ठ पर विश्वविद्यालय का नाम एवं पता, पाठ्यक्रम का नाम, सत्र, वर्ष (प्रथम/द्वितीय), पाठ्यक्रम कोड, पाठ्यचर्या क्रमांक, पाठ्यचर्या शीर्षक, परियोजना कार्य कोड, परियोजना कार्य हेतु चयनित रचनाकारों की सूची, विद्यार्थी का नाम, अनुक्रमांक, नामांकन संख्या, पत्राचार पता, मोबाइल नं., ई-मेल, परियोजना कार्य पर्यवेक्षक का नाम, पदनाम, पत्राचार पता, मोबाइल नं., ई-मेल, सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र का नाम एवं पता लिखा होना चाहिए। साथ ही, विद्यार्थी को दिनांक एवं स्थान के उल्लेख के साथ स्व-हस्ताक्षर करने चाहिए। अहस्ताक्षरित परियोजना कार्य रिपोर्ट अस्वीकार्य है। (देखिए, परिशिष्ट क्रमांक - 02)

02. द्वितीय पृष्ठ : परियोजना कार्य का द्वितीय पृष्ठ घोषणा पत्र से सम्बन्धित है जिसमें विद्यार्थी अपने कार्य की मौलिकता के विषय में स्वहस्ताक्षरित घोषणा करता है। विद्यार्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे संलग्नित परिशिष्ट क्रमांक - 03 के प्रारूपानुसार घोषणा करते हुए घोषणा पत्र में अपेक्षित सूचनाओं को परिपूर्ण एवं स्व-हस्ताक्षरित कर संलग्न परियोजना कार्य रिपोर्ट के द्वितीय पृष्ठ के रूप में संलग्न करें। अहस्ताक्षरित घोषणा पत्र से युक्त परियोजना कार्य रिपोर्ट अस्वीकार्य है।

03. तृतीय पृष्ठ : परियोजना कार्य का तृतीय पृष्ठ परियोजना कार्य पर्यवेक्षक द्वारा देय हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र से सम्बन्धित है जिसमें परियोजना कार्य पर्यवेक्षक, जिनके निर्देशन में यह कार्य सम्पन्न किया गया है, द्वारा परियोजना कार्य की मौलिकता और निर्देशन को प्रमाणित किया जाता है। विद्यार्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे संलग्नित परिशिष्ट क्रमांक - 04 के प्रारूपनुसार स्वयं तथा परियोजना कार्य पर्यवेक्षक संबंधी अपेक्षित सूचनाओं को परिपूर्ण कर परियोजना कार्य हेतु चयनित विषयों की सूची का उल्लेख करते हुए उसे परियोजना कार्य रिपोर्ट के तृतीय पृष्ठ के रूप में संलग्न करें।

04. चतुर्थ पृष्ठ : परियोजना कार्य का चतुर्थ पृष्ठ आभार ज्ञापन से सम्बन्धित है जिसमें विद्यार्थी द्वारा परियोजना कार्य में सहयोग प्रदान करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं का आभार व्यक्त किया जाता है।

05. पंचम पृष्ठ : परियोजना कार्य का पंचम पृष्ठ अनुक्रमणिका/विषय-सूची से सम्बन्धित है जिसमें विषय-अनुक्रम की सूची के साथ ही सम्बन्धित पृष्ठ संख्या की जानकारी दी जाती है।

06. परियोजना कार्य रिपोर्ट लेखन का मुख्य भाग :

परियोजना कार्य का अध्यायवार विभाजन विद्यार्थी द्वारा स्वविवेकानुसार किया जाएगा।
उदाहरणार्थ :

१. भूमिका : परियोजना कार्य का पहला भाग सम्पूर्ण परियोजना कार्य की भूमिका प्रस्तुत करता है जिसमें निम्नलिखित तथ्यों का समावेश होना चाहिए :- (1) परियोजना कार्य का परिचय, (2) परियोजना कार्य का तर्क, (3) परियोजना कार्य का उद्देश्य, (4) परियोजना कार्य के विषय पर पूर्व में हो चुके कार्यों का साहित्य पुनरावलोकन (Review of Literature), (5) परियोजना कार्य की परिकल्पना, (6) परियोजना कार्य की शोध प्रविधि, जिसमें नमूने का आकार (Size of Sample), तथ्य-संकलन एवं विश्लेषण की विधियों का उल्लेख रहता है।

२. प्रथम अध्याय : रचनाकार का जन्म, परिवेश, शिक्षा-दीक्षा, जीवन परिचय आदि।

३. द्वितीय अध्याय : रचनाकार के सामाजिक सरोकार।

४. तृतीय अध्याय : प्रमुख साहित्यिक कृतियाँ और उनका वैशिष्ट्य।

५. चतुर्थ अध्याय : साहित्यिक अवदान।

६. उपसंहार : परियोजना कार्य के उपसंहार शीर्षक के अंतर्गत सम्पूर्ण परियोजना कार्य के अध्यायवार निष्कर्ष प्रस्तुत करने के साथ ही सम्पूर्ण अध्ययन-अनुसंधान की निष्पत्तियाँ प्रकट की जाती हैं। एक श्रेष्ठ परियोजना कार्य रिपोर्ट प्राप्त तथ्यों का विश्लेषण करने के साथ ही महत्वपूर्ण सुझाव भी प्रस्तुत करती है, यथा – रचनाकार की कृतियों से सम्बन्धित किन विषय-क्षेत्रों पर अब तक शोध कार्य हो चुके हैं ? तथा किन विषय-क्षेत्रों पर शोध कार्य किया जाना शेष है ? रचनाकार के सामाजिक प्रभाव का आकलन इत्यादि।

७. संदर्भ-ग्रन्थ-सूची : परियोजना कार्य के उपसंहार शीर्षक के अंतर्गत सम्पूर्ण परियोजना कार्य रिपोर्ट लेखन में उद्धरित ग्रंथों, पुस्तकों, वेबसाइट्स आदि का पूर्ण विवरण दिया जाता है। (देखिए, निर्देश-पुस्तिका, पृष्ठ क्रमांक : 12-22)

८. परिशिष्ट : परियोजना कार्य के परिशिष्ट शीर्षक के अंतर्गत सम्पूर्ण परियोजना कार्य के दौरान विद्यार्थी द्वारा प्रयुक्त शोध-प्रविधि को प्रदर्शित किया जाता है। परियोजना कार्य के दौरान विद्यार्थी द्वारा संगृहीत दुर्लभ छायाचित्र इत्यादि उल्लेखनीय सामग्री को भी परिशिष्ट के माध्यम से प्रस्तुत किया जा सकता है।

- परियोजना कार्य के अंतिम पृष्ठ पर कुल पृष्ठ संख्या लिखकर अपने हस्ताक्षर कीजिए।

सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ का प्रारूप

.....

›

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र – 442 001
फोन / फैक्स नं. : 07152&247146 वेब साईट : www.hindivishwa.org

.....

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2015-17, द्वितीय वर्ष
पाठ्यक्रम कोड : एम एच डी

पाठ्यचर्या क्रमांक :

पाठ्यचर्या का शीर्षक :

सत्रीय कार्य कोड :

.....

विद्यार्थी का नाम :.....

अनुक्रमांक:.....

नामांकन संख्या :.....

पत्राचार पता :.....

मोबाइल नं. :.....

ई-मेल : .....

.....

सम्बन्धित अध्ययन केंद्र का नाम एवं

पता :.....

दिनांक :.....

स्थान :..... विद्यार्थी के हस्ताक्षर :.....

.....

परियोजना कार्य के मुख पृष्ठ का प्रारूप

………………………………………………………………………………………

›

egkRek xk/kh vrjjk"Vh; fgnh fo'ofo|ky;

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र – 442 001
फोन / फैक्स नं. : 07152&247146 वेब साईट : **www.hindivishwa.org**

………………………………………………………………………………………

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2015-17, द्वितीय वर्ष
पाठ्यक्रम कोड : एम एच डी
पंचम पाठ्यचर्या
पाठ्यचर्या का शीर्षक : परियोजना कार्य – रचनाकार का विशेष अध्ययन
परियोजना कार्य कोड : MHD – 10

………………………………………………………………………………………

परियोजना कार्य हेतु चयनित रचनाकारों की सूची :

(1) ………………………………………………………

(2)………………………………………………………

………………………………………………………………………………………

परियोजना कार्य पर्यवेक्षक का नाम : …………………………

पदनाम : ………………………………………………………

पत्राचार पता : ………………………………………………

मोबाइल नं. : …………………………………………………

ई-मेल : ………………………………………………………

विद्यार्थी का नाम : …………………………………………

अनुक्रमांक: …………………………………………………

नामांकन संख्या : ……………………………………………

पत्राचार पता : ………………………………………………

मोबाइल नं. : …………………………………………………

ई-मेल : ………………………………………………………

सम्बन्धित अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता : ………………………………………………………………………………………

दिनांक : ……………………………

स्थान : …………………………… विद्यार्थी के हस्ताक्षर ……………………………………………………

………………………………………………………………………………………

घोषणा पत्र का प्रारूप

.....

घोषणा पत्र

मैं, ...(नाम) पुत्र/पुत्री श्रीमती/श्री.....(माता/पिता का नाम) एतद् द्वारा यह घोषणा करती/करता हूँ कि दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा संचालित एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2015-2017 के द्वितीय वर्ष की परियोजना कार्य से सम्बन्धित पंचम पाठ्यचर्या MHD - 10 " रचनाकार का विशेष अध्ययन " से सम्बन्धित मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत यह परियोजना कार्य रिपोर्ट मेरे द्वारा संपन्न मौलिक कार्य है। मैं यह घोषणा भी करती/करता हूँ कि प्रस्तुत परियोजना कार्य रिपोर्ट आज से पूर्व किसी भी विश्वविद्यालय या संस्थान में मेरे अथवा किसी अन्य के द्वारा अंशतः अथवा पूर्णरूप में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

.....

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2015-17, द्वितीय वर्ष

पाठ्यक्रम कोड : एम एच डी

पाठ्यचर्या क्रमांक: पंचम पाठ्यचर्या (परियोजना कार्य)

पाठ्यचर्या का शीर्षक : रचनाकार का विशेष अध्ययन

परियोजना कार्य कोड : MHD – 10

विद्यार्थी का नाम : .....

अनुक्रमांक: .....

नामांकन संख्या: .....

पत्राचार पता : .....

मोबाइल नं. : .....

ई-मेल : .....

सम्बन्धित अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता :.....

.....

दिनांक :.....

स्थान :.....

विद्यार्थी के हस्ताक्षर :.....

.....

पर्यवेक्षक द्वारा देय प्रमाण पत्र का प्रारूप

.....

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2015-17, द्वितीय वर्ष
पाठ्यक्रम कोड : एम एच डी
पंचम पाठ्यचर्या
पाठ्यचर्या का शीर्षक : परियोजना कार्य – रचनाकार का विशेष अध्ययन
परियोजना कार्य कोड : MHD - 10

.....

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा संचालित एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2015-2017 के द्वितीय वर्ष की/के विद्यार्थी श्रीमती/कुमारी/सुश्री/श्री.....
(विद्यार्थी का नाम) पुत्र/पुत्री श्रीमती/श्री.....
(माता/पिता का नाम) ने एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2015-2017 के द्वितीय वर्ष की परियोजना कार्य से सम्बन्धित पंचम पाठ्यचर्या MHD - 10 " रचनाकार का विशेष अध्ययन " हेतु प्रस्तुत परियोजना कार्य मेरे पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में संपन्न किया है। मेरी ज्ञात जानकारी के अनुसार यह इनका मौलिक कार्य है। परियोजना कार्य हेतु इनके द्वारा चयनित विषय निम्नलिखित हैं : --

परियोजना कार्य हेतु चयनित रचनाकारों की सूची :

(1) .....

(2).....

.....

परियोजना कार्य पर्यवेक्षक का नाम : .....

पदनाम : .....

पत्राचार पता : .....

मोबाइल नं. : .....

ई-मेल : .....

विद्यार्थी का नाम : .....

अनुक्रमांक: .....

नामांकन संख्या : .....

पत्राचार पता : .....

मोबाइल नं. : .....

ई-मेल : .....

विद्यार्थी के अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता : .....

.....

दिनांक: .....

स्थान : .....

पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर .....

.....